हे गोविन्द राखो शरण अब तो जीवन हारे लिरिक्स

हे गोविन्द राखो शरण,
अब तो जीवन हारे।bd।
भजन प्रसंग – गज और ग्राह।
hey govind rakho sharan ab to jeevan hare

देखे – बिनती सुनिए नाथ हमारी।

नीर पिवन हेतु गयो,
सिन्धु के किनारे,
सिन्धु बीच बसत ग्राह,
चरण धरि पछारे,
हे गोविन्द राखो शरन,
अब तो जीवन हारे।bd।

चार प्रहर युद्ध भयो,
ले गयो मझधारे,
नाक कान डूबन लागे,
कृष्ण को पुकारे,
हे गोविन्द राखो शरन,
अब तो जीवन हारे।bd।

द्वारका में सबद दयो,
शोर भयो द्वारे,
शन्ख चक्र गदा पद्म,
गरूड तजि सिधारे,
हे गोविन्द राखो शरन,
अब तो जीवन हारे।bd।

'सूर' कहे श्याम सुनो,
शरण हम तिहारे,
अबकी बेर पार करो,
नन्द के दुलारे,
हे गोविन्द राखो शरन,
अब तो जीवन हारे।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

हे गोविन्द राखो शरण,
अब तो जीवन हारे।bd।

Singer – Devarj Sharma
Upload By – Rajbahadur
9136702397

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com